चतुर्थ माला, खण्ड 42, अंक 1 सोमवार, 27 जुलाई, 1970/5 श्रावण, 1892 (शक)
Fourth Series, Vol. XLII, No. 1 Monday, July 27, 1970/Sravana 5, 1892 (Saka)

लोक-सभा वाद-विवाद
का
संक्षिप्त अनूदित संस्करण

SUMMARISED TRANSLATED VERSION
OF
4th
LOK SABHA DEBATES

[ग्यारहवां सत्र
Eleventh Session]

Preservation
4-8-92
Fumigated
On 3. 2. 84
Parliament Library

[खण्ड 42 में अंक 1 से 10 तक हैं
Vol. XLII contains Nos. 1 to 10]

लोक-सभा सचिवालय
नई दिल्ली

LOK SABHA SECRETARIAT
NEW DELHI

य : एक रुपया

Price : One Rupee

[यह लोक-सभा वाद-विवाद का संक्षिप्त अनूदित संस्करण है और इसमें अंग्रेजी/हिन्दी में दिये गये भाषणों आदि का हिन्दी/अंग्रेजी में अनुवाद है।

This is Translated version in a summary form of Lok Sabha Debates and contains Hindi/English translation of speeches etc. In English/Hindi.]

विषय-सूचि/CONTENTS

सोमवार, 27 जुलाई, 1970/5 श्रावण, 1892 (शक)

Monday, July 27, 1970/Sravana 5, 1892 (Saka)

विषय	Subject	पृष्ठ Page
सदस्यों द्वारा शपथ ग्रहण	Members Sworn	1
निधन सम्बन्धी उल्लेख	Obituary Reference	1
अध्यक्ष महोदय	Mr. Speaker	1—2
श्रीमती इन्दिरा गांधी	Shrimati Indira Gandhi	2—3
डा० राम सुभग सिंह	Dr. Ram Subhag Singh	4
श्री रंगा	Shri Ranga	4—5
श्री अटल बिहारी वाजपेयी	Shri Atal Bihari Vajpayee	5
श्री मनोहरन	Shri Manoharan	5
श्री ही० ना० मुकर्जी	Shri H. N. Mukerjee	5
श्री पी० राममूर्ति	Shri P. Ramamurti	5
श्री मधु लिमये	Shri Madhu Limaye	5—6
श्री नाथ पाई	Shri Nath Pai	6—7
श्री नि० चं० चटर्जी	Shri N. C. Chatterjee	7
श्री प्रकाशवीर शास्त्री	Shri Prakash Vir Shastri	7
म० मुहम्मद इस्माइल	Shri M. Mohammad Ismail	7

लोक-सभा
LOK SABHA

सोमवार, 27 जुलाई, 1970/5 श्रावण, 1892 (शक)
Monday, July 27, 1970/Sravana 5, 1892 (Saka)

लोक-सभा ग्यारह बजे समवेत हुई।
The Lok-Sabha met at Eleven of the Clock

[अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए]
[Mr. Speaker *in the Chair*]

सदस्यों द्वारा शपथग्रहण
Members Sworn

(1) श्री अवेघ नाथ (गोरखपुर)

(2) श्री निरेल एनम होरो (खूंटी)

(3) श्री चन्दूलाल चन्द्राकर (दुर्ग)

निधन संबंधी उल्लेख
OBITUARY REFERENCE

अध्यक्ष महोदय : मैं सदन को हमारे माननीय मित्र श्री पी० गोविन्दमेनन, श्री डी० एरिंग, श्री एन० बी० मैटी, श्री मेहरचंद खन्ना, श्रीमती लीला राय और श्री के० वी० रंगारेड्डी के दुखद निधन की सूचना देता हूँ।

श्री पी० गोविंदमेनन लोक सभा के वर्तमान सदस्य और विधि तथा समाज कल्याण मंत्री थे। वे संविधान सभा के और अन्त: कालीन संसद के सदस्य थे। वे 1947 से 52 तक और 1962 से 67 तक लोक सभा के सदस्य रहे। वे 1946 से 47 तक तत्कालीन कोचीन राज्य के और 1955 से 56 तक ट्रावनकोर-कोचीन राज्य के मुख्य मंत्री रहे ; उन्होंने 1964 में संसद के सरकारी उपक्रम संबंधी समिति के अध्यक्ष के पद पर रहे। उन्होंने इन पदों पर रह कर अपनी

ईमानदारी और कर्त्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया। उन्होंने अपने जीवनकाल में सदन को और उन समितियों को जिनके वे अध्यक्ष रहे, महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे एक महान व्यक्ति थे और सब के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखते थे। संसद के पिछले अधिवेशन के अंतिम दिन तक यहां उनकी उपस्थिति का मैं स्मरण करता हूँ। 2 मई, 1970, को दिल्ली में उनका अचानक देहांत हो गया।

श्री डी० एरिंग भी लोक सभा के वर्तमान सदस्य, और खाद्य, कृषि तथा सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय में उप-मंत्री थे। 1961 और 67 के दौरान में वे द्वितीय और तृतीय लोक सभा के सदस्य थे। वे बहुत शिष्ट व्यक्ति थे। 21 जुन, 1970 को शिलांग में उन का देहांत हुआ। उनकी आयु केवल 40 वर्ष थी।

श्री एन० बी० मैटी 1957 से 1962 तक द्वितीय लोक सभा के सदस्य थे। दीर्घकाल तक वे पश्चिम बंगाल विधान सभा के सदस्य रहे और 1947 से 52 तक पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री के पद पर रहे। 20 मई, 1970 को 78 वर्ष की आयु में, उनका कलकत्ता में देहांत हुआ।

श्री मेहरचन्द खन्ना 1962 से 67 तक तृतीय लोक सभा के सदस्य रहे। वे 1954 से 62 तक पुनर्वास मंत्री और 1962 से 1967 तक आवास तथा पूर्ति मंत्री थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पहले वे 1937 से 45 तक उत्तर-पश्चिम सीमा प्रांत में वित्त मंत्री के पद पर रहे। वे कुशल प्रशासक और दृढ़ विचार रखने वाले थे। उन्होंने कई प्रसंगों में अपनी धीरता का परिचय दिया है। 4 जून, 1970 को नई दिल्ली में उनका निधन हो गया। उनकी आयु 73 वर्ष थी।

श्रीमती लीला राय 1946 से 47 तक संविधान सभा की सदस्या थी। वे नेताजी सुभाष चन्द्र बोस से निकटवर्ती संबंध रखती थी और उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में जी जान से भाग लिया था। 12 जून, 1970 को 70 वर्ष की आयु में कलकत्ता में उनका देहांत हो गया।

श्री के० वी० रंगारेड्डी 1950 से 52 तक अन्तः कालीन संसद के सदस्य थे। वे आन्ध्र प्रदेश में उप-मुख्यमंत्री रहे हैं। 24 जुलाई, 1970 को, 79 वर्ष की आयु में हैदराबाद में उनका देहांत हुआ।

हम अपने इन मित्रों के निधन पर हार्दिक एवं गहरा शोक प्रकट करते हैं और संतप्त परिवार के साथ पूरी संवेदना प्रकट करते हैं।

प्रधान मंत्री, गृह-कार्य मन्त्री, अणुशक्ति मंत्री तथा योजना मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : अध्यक्ष महोदय जैसा आपने अभी कहा, हमारे दो माननीय सहयोगी और दो अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति जो पहले की लोक सभा के माननीय सदस्य थे, हमारे बीच से उठ गए।

श्री गोविन्द मेनन की शक्तिशाली आवाज से हम सदा के लिए वंचित किये गए। कुशल मंत्री और महान संसदिज्ञ के नाते उन्होंने असीम प्रतिष्ठा और सम्मान प्राप्त किये। अपने राज्य

की जनता की मुक्ति उन की उन्नति के लिए दीर्घकाल तक संघर्ष करने के बाद उन्होंने केन्द्रीय सरकार के विधि तथा समाज कल्याण जैसे उच्च मन्त्रि पद को धारण किया। वे हमेशा हमारे मूलभूत लक्ष्य के बारे में पूर्णतः सचेत थे और उसकी प्राप्ति के लिए सतत प्रयत्नशील रहे। संविधान सभा के सदस्य के रूप में और राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने जो अपूर्व योगदान दिया, उसका उल्लेख किया गया। उन्होंने जो भी कार्य अपने ऊपर ले लिया। उस को पूरी निष्ठा से, लगन से और पूरी शक्ति से करने में बहुत तत्पर थे। बैंक राष्ट्रीयकरण के विधेयक को संसद के समक्ष लाने में उन्होंने जो महान कार्य किया। वह उक्त तथ्य का ज्वलंत प्रमाण है। तमाम अस्वास्थ्यों के बावजूद भी आपने आखिरी क्षण तक कर्मनिष्ठ रहे। काम करते हुए उनका अचानक देहांत हुआ और मुझे विश्वास है कि उनका निधन अपने कार्यों की पूर्णता में हुआ है।

श्री एरिंग का निधन असामयिक एवं अचानक था। लोक सभा के सदस्य, संसदीय सचिव और उप-मंत्री के पदों पर रह कर उन्होंने अपनी कार्य कुशलता का परिचय दिया। वे नेफा के जीवंत एवं ईमानदार प्रतिनिधि थे। उन्होंने पहाड़ी इलाके में रहने वाले लोगों की पूर्ण दिल से सेवा की। 40 साल की आयु में मृत्यु ने उन्हें हमारे बीच से छीन लिया।

श्री एन० बी० मैटी दूसरी लोक सभा के सदस्य थे। उन्होंने बंगाल और सारे देश की कई दशकों तक समर्पण और कर्त्तव्यनिष्ठा से सेवा की। उन्होंने अपने प्रभावी सामाजिक कार्यों के बल पर हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को तेज किया।

श्री मेहरचन्द खन्ना हमारे राष्ट्रीय जीवन में एक शक्तिशाली नेता थे। उन्होंने उत्तर पश्चिम सीमा प्रांतों में उच्च पद धारण किये और बाद में केन्द्रीय सरकार में महत्वपूर्ण कार्य किया। भारत विभाजन के तुरन्त बाद पुनर्वास संबंधी गंभीर समस्याओं के निपटारे के लिए पुनर्वास सलाहकार का कठिन पद धारण किया और बाद में पुनर्वास मंत्री बने। उन्होंने हजारों लाखों लोगों को आवास संबंधी सुविधायें प्रदान की और उनके सुप्त मन में आशा का पुनः संचार किया। सदन के अभिलेख उन की प्रशासनिक कुशलता और सदन में हुए वाद-विवादों में उनके सक्रिय योगदान का प्रमाण हैं।

श्री के० वी० रंगा रेड्डी आन्ध्र प्रदेश के वरिष्ठ नेता थे। उन्होंने राज्य के अन्दर लोकतंत्रीय अधिकारों के लिए जनता के आंदोलनों में सक्रिय भूमिका अदा कर दी। वे संविधान सभा के सदस्य थे। कई सामाजिक सेवा संस्थानों को उनकी बहुमूल्य सेवा प्राप्त हुई है।

श्रीमती लीला राय जिन्होंने हमारे स्वतंत्रता संग्राम में बहुत सक्रिय भूमिका अदा की है, का सर्वत्र सम्मान किया जाता है। वे क्रांतिकारियों के लिए प्रेरणाश्रोत थीं। बंगाल में महिलाओं के मताधिकार के लिए और नवखाली के सांप्रदायिक दंगों से पीड़ित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जो महान कार्य किये, हमेशा वह हमारी स्मृतियों में रहेंगे।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करूंगी कि संतप्त परिवारों के साथ सदन की हार्दिक शोक संवेदना प्रकट की जाए।

डा० रामसुभग सिंह (बक्सर) : अध्यक्ष महोदय, विपक्षी दलों की ओर से मैं हमारे माननीय संसद सदस्यों के दुखद निधन पर गहरी शोक संवेदना प्रकट करता हूँ।

श्री मेहरचन्द खन्ना दिल्ली तथा हमारे देश के अन्य भागों के प्रतिनिधियों के लिए शक्ति और प्रेरणा का स्रोत रहे। उनका पाकिस्तान के साथ भी मैत्रीपूर्ण संबंध रहा। वे सही में ईमानदार थे, अतः उन्हें इसके कई परिणाम भुगतने पड़े हैं।

श्री निकुंज बिहारी मैटी पश्चिमी बंगाल के एक महान व्यक्तित्व थे। उन्होंने बंगाल में और लोक-सभा में अपनी योग्यता का अच्छा परिचय दिया। उनकी मृत्यु ने मिदनापुर जिले के लोगों को अनाथ कर दिया है।

श्री एरिंग देश के उत्तर पूर्वी प्रांतों के रंगीले व्यक्तियों में एक थे। वैसे ही श्री मेनन ने, जो देश के दक्षिण पश्चिमी कोने से आते हैं, देश की बहुत बड़ी सेवा की है।

श्रीमती लीला राय सारे देश में खासकर पूर्वी भारत में प्रसिद्ध हैं। उन्हें नेताजी सुभाष बोस के साथ कार्य करने का मौका मिला था। देश उनकी बहुमूल्य सेवाओं को हमेशा याद रखेगा।

श्री रंगा रेड्डी भी बड़े शक्तिशाली व्यक्तित्व थे। उन्होंने अपने जीवन काल में जनता की उन्नति के लिए भरसक प्रयत्न किया है।

अध्यक्ष महोदय, संतप्त परिवार को हमारी हार्दिक संवेदनायें प्रकट करें।

श्री रंगा (श्रीकाकुलम) : अध्यक्ष महोदय, मृत्यु ने इस बार श्री रंगा रेड्डी, श्री मेनन, खन्ना, एरिंग जैसे हमारे मित्रों को हर लिया। श्री रंगा रेड्डी आन्ध्र की जनता के महान नेता थे। उन्होंने तेलंगाना की जनता की माँगों का समर्थन किया। आन्ध्र प्रदेश में उन्होंने मंत्री के रूप में और राज्य की जनता के संग्रामों में उन्होंने एक सक्रिय भूमिका अदा की है। उन्होंने वास्तव में अपनी योग्यता और ज्ञान से लोगों पर प्रभाव जमाया।

श्री खन्ना हमारे निजी मित्र थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व वे कांग्रेस की शक्ति के स्रोत थे। मंत्री बनने के बाद भले ही वे अधिक लोकप्रिय नहीं बने। मगर उन्होंने अधिक कुशलता से काम किया है।

श्री मेनन जनमोर्चाओं में हमारे सहयोगी रहे। केरल की जनता को उनका योगदान बहुत अधिक है। सरकारी उपक्रम संबंधी समिति में मैंने उनके साथ कार्य किया है। वे हमेशा प्रसन्न और अन्य लोगों के दृष्टिकोण और विचारों के प्रति सहानुभूति रखते थे।

श्री एरिंग हमेशा हर आदमी से मैत्रीपूर्ण व्यवहार करते थे। यह बड़े दुख की बात है कि बहुत कम आयु में उनकी मृत्यु हुई। हमें इससे बहुत गहरा आघात लगा है। श्रीमती राय

नेताजी के निकट के सहयोगियों में एक थीं। श्री मैंटी हमारे सहयोगी थे और बंगाल के बहुत अधिक सम्मानित व्यक्ति थे।

हमारे इन मित्रों के निधन पर हम गहरा दुख प्रकट करते हैं।

Shri Atal Bihari Bajpayee (Balrampur) : Mr. Speaker, Sir, it is the cruel mockery of fate that a young man like Mr Ering passed away, to the sorrow of all of us. Both Mr. Govinda Menon and Mr. Ering died in harness. Although Mr. Menon was old, he was energetic and brisk. He served the country till he breathed his last. Our public life will be suffering long the irrepearable loss of Mr. Menon.

Shri Meharchand Khanna was an able Minister and he earned high reputation as a social worker. He started his public life as a member of the Hindu Maha Sabha. After independence, he came to India and dedicated his service for the upliftment of displaced persons from Pakistan.

Shri N. B. Maiti also was an able parliamenterian. He tried to spot light the problems of West Bengal. Shrimati Leela Ray and Shri Ranga Reddy were our closest friends. We request you to convey our hearty condolences to the bereaved families.

श्री मनोहरन (मद्रास उत्तर) : अध्यक्ष महोदय, यहां जो संवेदनायें प्रकट की गईं, हम उन में भाग लेते हैं। अपने दल की ओर से संतप्त परिवारों को हमारी हार्दिक शोक संवेदना हम प्रकट करते हैं।

श्री ही० ना० मुकर्जी (कलकत्ता-उत्तर-पूर्व) : अध्यक्ष महोदय, श्री गोविंद मेनन हमें सदा के लिए नष्ट हो गए। काम करते उनकी मृत्यु हुई है। उन का नष्ट हमें बहुत अधिक महसूस होता है क्योंकि उनके चरित्र की विशिष्टता, जागरूक मन और बुद्धिमता एवं संसदीय अनुभव का उन्होंने उज्ज्वल परिचय दिया था।

श्री एरिंग की मृत्यु हमें और अधिक सताती है क्योंकि वे कम उम्र में ही हमारे बीच से उठ गए। श्री मैंटी न केवल एक संसद सदस्य थे, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम के सैनिक भी थे। श्री मेहरचन्द खन्ना का व्यक्तित्व बहुमुखी एवं रंगीला था। वे एक सच्चे मित्र थे। श्रीमती लीला राय ने श्री सुभाष चन्द्र बोस के साथ काम करके हमारे स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका अदा कर ली थी। श्री रंगा रेड्डी आन्ध्र प्रदेश से आये एक महान व्यक्तित्व थे। हमारे ये सारे मित्र हमारे बीच से उठ गए, हम अपने दल की ओर से हार्दिक शोक संवेदनायें प्रकट करते हैं।

श्री पी० राममूर्ति (मदुरै) : अध्यक्ष महोदय इस समय निधन संबंधी सूची जरा लम्बी हो गई है। इन में कई मेरे गहरे मित्र थे। सब अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में मशहूर थे। आप मेरे दल की हार्दिक शोक संवेदनायें सतप्त परिवारों को पहुँचा दीजियेगा।

Shri Madhu Limaye (Manghyr) : Mr. Speaker, Sir, six of our friends have departed us. We mourn the sad demise of our friend Shri Ering because he was a cheerful, pleasant and elegant man. The life of Shrimati Leela Ray is closely attached to the revolutionary movements in Bengal. We both associated in the socialist movement after 1952.

Shri Govinda Menon was a powerful champion of the policies of the Government. Shri Menon was the only one Congress member who won the election in Kerala when all the other Congress members met with crushing defeat. He was not only interested in law but he was equally interested in social reforms. He took personal interest in the case of Adivasees. I recall during his last days, he was busy in getting a Bill which sought amendment in special Marriage Act, passed through in Parliament. Similarly he endeavoured sincerely to get the foreign Marriage Bill passed during the last year. By his sad demise, we suffer an irretrievable loss.I would not say any thing more about Shri Maiti and Shri Ranga Reddy. I request you to convey our hearty condolence to the bereaved families.

श्री नाथ पाई (राजापुर) : पिछले कुछ वर्षों से लोक सभा के प्रत्येक सत्र के प्रारम्भ में हम अपने कुछ साथियों के निधन पर शोक व्यक्त करते आ रहे हैं। इससे काल की अबाध गति का पता चलता है।

किसी ने भी नहीं सोचा था कि श्री एरिंग का, जो पूर्ण जीवन स्फूर्ति और आशाओं से ओत प्रोत था, इस प्रकार निधन हो जायेगा। हममें से जो लोग उनके निकट सम्पर्क में आये, उन सभी ने उनको पसन्द किया। देश में समय-समय पर जिन अजीब सिद्धान्तों ने अपने भद्दे रूप में जन्म लिया और जिनका आशय यह था कि कुछ ऐसी जातियां हैं, जिनका राष्ट्र की मुख्य विचारधारा से सम्बन्ध नहीं है और इसलिए उनका अलग होना उचित है, इस प्रकार की विघटनवादी और अहितकर विचारधारा का उन्होंने कड़ा विरोध किया था।

श्री गोविन्द मेनन इस सरकार में प्रथम विधि मंत्री थे, जिन्होंने विधि मन्त्रालय के कार्य को गम्भीरतापूर्वक संभाला। वह इस सरकार का समर्थन करने और उसका बचाव करने में प्रायः अपनी समूची योग्यता और कुशलता का प्रयोग करते थे और उन्होंने जो भी कार्य किया, वह बड़े परिश्रम, दृढ़ विश्वास और ईमानदारी से किया। वह अपने कार्यों को अन्तिम क्षण तक करते रहे।

श्री मेहर चन्द खन्ना का वृद्धावस्था में निधन हुआ। उन्होंने इस देश की महान सेवा की। हमने उन्हें इस सदन में बड़ी कुशलता और सक्षमता से कार्य करते देखा। उनके साथ सदैव सहमत होना सम्भव नहीं था, परन्तु उनके साथ तर्क करने में भी आनन्द आता था।

श्री मैटी और श्री रेड्डी के निधन से हमने समान रूप से योग्य राष्ट्र-पुत्रों को खो दिया है।

श्रीमती लीला राय एक महान भारतीय महिला थीं। श्रीमती राय की गणना राष्ट्र के उन महान क्रांतिकारियों में होती है, जिनकी गतिविधियों के कारण ही हमारे राष्ट्र को स्वाधीनता प्राप्त हुई। हमारे हृदय में उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान की भावना थी। हम में से कुछ को समाजवादी लक्ष्य प्राप्त करने के लिए उनके साथ कार्य करने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ। उस समय जबकि समाजवाद का नारा लगाना बहुत ही कठिन तथा भयावह था, श्रीमती लीला राय ने बहुत ही निर्भीकता और साहस से समाजवाद का झण्डा ऊंचा किया।

मैं सदन के नेता और विरोधी पक्ष के नेता तथा अन्य साथियों के साथ-साथ मृतात्माओं के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ और उनके परिवारों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करता हूं।

श्री नि० चं० चटर्जी (बर्दवान) : श्री गोविन्द मेनन ने अनेक उल्लेखनीय कार्य किये। वह बहुत अल्पायु में ही कोचीन विधान मण्डल के सदस्य बन गये थे और अगले वर्ष ही मंत्री नियुक्त किये गये। अन्त में, वह राज्य के मुख्य मंत्री भी बने। त्रावणकोर-कोचीन राज्य का निर्माण होने पर वहाँ की गतिविधियों में उन्होंने विशेष रूप से भाग लिया। उसके बाद वे यहां आए और केंद्रीय सरकार में कार्य किया। किसी मामले का समर्थन करने की उनमें अद्वितीय प्रतिभा थी। वह किसी भी बात को संक्षिप्त और सारपूर्ण शब्दों में प्रस्तुत करते थे। उनकी मृत्यु से वास्तव में हमें बहुत क्षति हुई है और हम उनके परिवार के शोक-संतप्त सदस्यों के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हैं।

श्री मेहर चन्द खन्ना का केंद्रीय सरकार के पुनर्वास मंत्री के रूप में शरणार्थियों के लिए किया गया कार्य उल्लेखनीय है। देश के विभाजन के समय बंगाल में शरणार्थियों की बाढ़ आ गई थी। पं० जवाहर लाल नेहरु ने उन्हें कलकत्ता भेजा था। वह मेरे घर पर ठहरे थे। मैंने शरणार्थी जनता से उनका सम्पर्क कराया। उन्होंने कलकत्ता में ही अपना कार्यालय खोल दिया और वहीं से कार्य किया। भारत के स्वतन्त्र होते समय, जो व्यक्ति उजड़ गये थे, वे देश के प्रति उनकी सेवाओं को सदैव याद रखेंगे।

Shri Prakash Vir Shastri (Hapur) · The people and the Parliament is well aware of the social and national services rendered by Shri Govinda Menon, Whatever work has been done for introduction of Hindi in Law Ministry and the publication of High Court and Supreme Court judgements in Hindi, all the credit goes to Shri Govinda Menon.

Shri Mehar Chand Khanna had a brilliant record of service as Rehabilitation minister. He was a fearless worker and never felt tired even in discharging great responsibilities. His demise is a great loss to the nation.

We all are very much shocked at the sudden death of shri D. Ering in the prime of his youth. Whenever I met him, I found him smiling and happy. He was very much popular in N E.F A.

श्री एम० मुहम्मद इस्माइल (मंजेरी) : श्री पी० गोविन्द मेनन और अन्य सभी योग्य और प्रसिद्ध सज्जनों की स्मृति में दी गई श्रद्धांजलि में हमारा दल भी श्रद्धांजलि अर्पित करता है। हमारा यह अनुरोध है कि शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों को हमारी संवेदनाएं भेजी जायें।

तत्पश्चात् सदस्य कुछ समय तक मौन खड़े रहे

The Members then stood in silence for a short while

अध्यक्ष महोदय : सभी दलों के नेताओं ने यह इच्छा व्यक्त की है कि मृतात्माओं के प्रति श्रद्धा प्रदर्शित करने के लिए आज सदन की बैठक स्थागित कर दी जाये। सामान्यतः अन्तः सम

अवधि में मृत्यु होने पर, सदन की बैठक स्थगित करने की परम्परा नहीं है, परन्तु सदन में सर्वसम्मति से यह इच्छा व्यक्त करने के कारण, इस बार, आज विशेष रूप से सदन की बैठक स्थगित की जाती है।

इसके पश्चात् लोक सभा मंगलवार, 28 जुलाई, 1970/6 श्रावण, 1892 (शक) के ग्यारह बजे म०पू० तक के लिए स्थगित हुई।

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the clock on Tuesday, the 28th July, 1970/Sravana 6, 1892 (Saka)

Akashdeep Printers, 20 Daryaganj, Delhi-6